आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 17.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय खनन मंत्रालय द्वारा जारी राज्य खनन तत्परता सूचकांक में उत्तराखंड ने 'सी' श्रेणी में अग्रणी स्थान प्राप्त किया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा– विश्वविद्यालयों को प्रदेश की आवश्यकताओं और सामाजिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने पाठ्यक्रमों को अद्यतन करना चाहिए।
- त्यौहारी सीजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चेकिंग अभियान जारी। हरिद्वार पुलिस ने 10 क्विंटल नकली मावा बरामद किया।
- चमोली जिले में स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट विधि–विधान और पूजा–अर्चना के बाद शीतकाल के लिए बंद किए गए।

उत्तराखंड अग्रणी स्थान

केंद्रीय खनन मंत्रालय द्वारा जारी राज्य खनन तत्परता सूचकांक में उत्तराखंड ने 'सी' श्रेणी में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय बजट 2025–26 में की गई घोषणा के अनुरूप तैयार किया गया यह सूचकांक देश के विभिन्न राज्यों का मूल्यांकन खनन सुधारों, नीतिगत पारदर्शिता, पर्यावरणीय संतुलन, खनिज अन्वेषण क्षमता और प्रशासनिक दक्षता जैसे अनेक मापदंडों के आधार पर करता है। सूचकांक में मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान को 'ए' श्रेणी में, गोवा, उत्तर प्रदेश और असम को 'बी' श्रेणी तथा उत्तराखंड को पंजाब और त्रिपुरा के साथ 'सी' श्रेणी में अग्रणी स्थान प्रदान किया गया है। खनन मंत्रालय के अनुसार, यह सूचकांक, राज्यों में खनन क्षेत्र में बेंचमार्किंग और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने का कार्य करेगा, जिससे देशभर में खनन सुधारों की गति और पर्यावरण–अनुकूल नीतियों के क्रियान्वयन को और बल मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह उपलब्धि उत्तराखंड सरकार के सशक्त शासन मॉडल, पारदर्शी नीतियों और जनकेंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए खनन क्षेत्र को सतत विकास की दिशा में अग्रसर करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खनन क्षेत्र में भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता को समाप्त करते हुए एक उत्तरदायी और आधुनिक प्रणाली विकसित की है। राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन नहीं, बल्कि उनका संवेदनशील प्रबंधन ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने खनन विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उत्तराखंड के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

राज्यपाल बैठक

कुलाधिपति व राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने राजभवन में राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र न होकर राष्ट्र निर्माण के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है, जो न केवल रोजगार प्राप्त करें, बल्कि समाज, राज्य और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके छात्र भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान और कौशल प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिवेश में शिक्षा को उद्योग जगत, नवाचार और प्रौद्योगिकी से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय को प्रदेश की आवश्यकताओं, प्राकृतिक संसाधनों और सामाजिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने पाठ्यक्रमों को अद्यतन करना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से अपने अलुमनाई नेटवर्क को मजबूत बनाने और विश्वविद्यालय संबद्धता से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के भी निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों को एआई, नई प्रौद्योगिकियों और उभरते क्षेत्रों में अध्ययन और शोध को प्राथमिकता देने का आह्वान भी किया। बैठक में कुलपतियों ने अपने–अपने विश्वविद्यालयों की उपलब्धियों, चुनौतियों और आवश्यकताओं की जानकारी राज्यपाल को दी। राज्यपाल ने सभी बिन्दुओं पर समाधान के लिए उचित सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में "युवा आपदा मित्र योजना" के अंतर्गत चल रहे सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन अधिनियम, भूकंप, भूस्खलन, रासायनिक आपदाएँ, प्राथमिक उपचार व अग्नि सुरक्षा से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण और जानकादी दी गई। इस दौरान एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग और रेड क्रॉस सोसाइटी की टीमों ने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर व्यावहारिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को आपदा के समय समाज की सहायता हेतु तैयार करना तथा "आपदा सजग और आपदा सुरक्षित उत्तराखंड" के निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।

नकली मावा

त्यौहारी सीजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चेकिंग अभियान जारी है। इसी क्रम में हरिद्वार के थाना बुग्गावाला पुलिस ने चौकी अमानतगढ में बैरियर लगाकर आने–जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की। इस दौरान एक वाहन में लगभग 10 कुन्तल नकली मावा प्लास्टिक के कट्टो में भरा पाया गया, जिसकी कीमत लगभग दो लाख रुपये बताई जा रही है। थाना बुग्गा वाला प्रभारी निरीक्षक भगवान महर के अनुसार वाहन चालक ने पूछताछ में बताया कि वह इस नकली मावे को मुजफ्फरनगर से देहरादून शहर में बिक्री के लिए लेकर जा रहा था।

मौके पर खाद्य विभाग की टीम को बुलाया गया और मावे की सैंपलिंग कर शेष माल को मौके पर नष्ट किया गया। वाहन को मौके पर सीज कर चालक को आवश्यक कार्यवाही के लिए खाद्य विभाग की टीम के सुपुर्द किया गया।

तुंगनाथ कपाट

चमोली जिले में स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट आज विधि–विधान और पूजा–अर्चना के बाद शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंदिर के मुख्य पुजारी सुनील तिवारी ने बताया कि पौराणिक परंपराओं के अनुसार शीतकाल के दौरान छह माह के लिए भगवान रुद्रनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान रुद्रनाथ की उत्सव डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर में विराजमान रहती हैं, जहां शीतकाल के छह माह तक भगवान रुद्रनाथ की पूजा–अर्चना की जाएगी।

रुद्रनाथ मंदिर पूरे उत्तर भारत में एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है, जहां पर भगवान शिव के मुख दर्शन होते हैं, यह मंदिर प्रदेश के पांच केदारों में से चतुर्थ केदार के रूप में प्रसिद्ध है।

जिलाधिकारी औचक निरीक्षण

बागेश्वर की जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं, दवाओं के स्टॉक और चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने दवाओं के स्टॉक रजिस्टरों की जांच करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी से अस्पताल में तैनात डॉक्टरों, सपोर्टिंग स्टाफ, दवाओं की उपलब्धता, मेडिकल उपकरणों और एंबुलेंस की स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि आने वाले समय में अस्पताल की सुविधाएं और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके।

बाजार रौनक

दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में मसूरी में आगजनी की घटनाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में मसूरी अग्निशमन विभाग ने विशेष जागरूकता रैली निकाली। मसूरी फायर स्टेशन से शुरू हुई यह रैली मॉलरोड होते हुए लंढौर और अनुपम चौक तक निकाली गई। इस दौरान फायर सर्विस के जवानों ने आमजन को सुरक्षित दीपावली मनाने का संदेश दिया। फायर स्टेशन के इंचार्ज धीरज तड़ियाल ने कहा मसूरी फायर स्टेशन दीपावली को लेकर पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर एक बड़ा फायर टेंडर, एक छोटा टेंडर और एक मोटर बाइक 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। ये सभी वाहन मसूरी के मुख्य चौकों और संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता दी जा सके।